TIMES OF INDIA, Ahmedabad, 28.12.2023
Page No. 4, Size:(10.91)cms X (12.98)cms.

Bullet train project sees substantial progress in 2023

TIMES NEWS NETWORK

TOI

Civil works for stations have started along with works on Surat and Sabarmati high-speed rail depots

Ahmedabad: The near-completion of the multimodal transit hub at Sabarmati station, commencement of work for the first 7km of the undersea rail passage and completion of a 350m mountain tunnel in just 10 months were among the milestones achieved in the National High Speed Rail Corporation Limited's (NHSRCL) Ahmedabad-Mumbai bullet train project during 2023.

In a statement issued on Wednesday, officials said that the undersea route at Thane Creek is part of a 21km tunnel between the Bandra-Kurla Complex in Mumbai and Shilphata in Thane district.

The officials said that the completion of a mountain tunnel with a length of 350m and a diameter of 12.6m near Zaroli village of Valsad district was another highlight of the project this year.

Laying of the first reinforced concrete track bed for the bullet train corridor, as used in Japan's Shinkansen rail network, has begun in Surat and Anand. This is the first time that the 'J-slab ballastless' track system is being used in India.

The officials said that completion of work over six of the 24 rivers on the route and acquisition of nearly 99.95 per cent of the total land for the project were also among the key highlights. This year, NHSRCL has awarded all civil contracts for the project. Work on eight stations in Gujarat on the corridor — Vapi, Bilimora, Surat, Bharuch, Anand, Vadodara, Ahmedabad and Sabarmati — are under various stages of construction, the statement said.

Civil works for stations have started along with works on Surat and Sabarmati high-speed rail depots. The project covers 508km, including 352km in Gujarat and Dadra and Nagar Haveli and 156km in Maharashtra.

Prime Minister Narendra Modi and Japan's former prime minister Shinzo Abe had launched the project in Ahmedabad on September 14, 2017.

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

NAV-BHARAT, Mumbai, 28.12.2023
Page No. 11, Size:(5.46)cms X (10.77)cms.

भारत की पहली बुलेट ट्रेन का काम स्पीड में

वर्ष 2023 में हासिल की यह उपलब्धियां

■ मुंबई, नवभारत न्यूज नेटवर्क.

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का काम तेज गति से चल रहा है. साल 2023 एनएचएसआर के लिए काफी महत्वपूर्ण साबित हुआ है. इस साल बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के कई ऐसे इंजीनियरिंग काम किये गए हैं, जो काफी मुश्किल थे. साथ ही नई तकनीकी का भी इस्तेमाल किया गया है. इस साल गुजरात और महाराष्ट्र के सभी सिविल अनुबंधों पर हस्ताक्षर किये गए. फिलहाल 115.8 किमी वायाडक्ट और 267 किमी पियर कास्टिंग का काम पूरा कर लिया गया है. सभी 8 एचएसआर स्टेशन (वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, आणंद, वडोदरा, अहमदाबाद और साबरमती) में विभिन्न चरणों के तहत काम किया जा रहा है. गुजरात के वलसाड में जारोली गांव के पास स्थित 350 मीटर लंबी और 12.6 मीटर व्यास की पहली पहाड़ी सुरंग को केवल 10 महीनों में पूरा किया गया है.

गुजरात में 17 और महाराष्ट्र में 11 पुल का काम जारी 70 मीटर लंबा और 673 मीट्रिक टन वजन वाला पहला स्टील पुल एनएच 53 पर बनाया गया है. गुजरात में 17 और महाराष्ट्र में 11 पुल का काम जारी है. एमएएचएसआर कॉरिडोर पर कुल 24 नदी पुलों में से 6 नदियों पर पुल का काम पूरा हो गया है. परिचालन के दौरान ट्रेन और सिविल संरचनाओं द्वारा उत्पन्न होने वाले शोर को कम करने के लिए वायडक्ट के दोनों ओर नॉइज़ बैरियर्स लगाए जा रहे हैं. बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स और शिलफाटा के बीच 21 किमी. लंबी भूमिगत सुरंग, जिसमें भारत की पहली 7 किमी. लंबी समुद्र सुरंग शामिल है.

प्रोजेक्ट की मुख्य विशेषताएं

- कुल एलाइनमेंट: 508 किमी. (गुजरात और डीएनएच में 352), महाराष्ट्र में 156 किमी.
- 12 एचएसआर स्टेशन (गुजरात में 8 और महाराष्ट्र में 4)
- 3 रोलिंग स्टॉक डिपो (2 गुजरात में और 1 महाराष्ट्र में)
- 24 नदी पुल (20 गुजरात में और 4 महाराष्ट्र में)
- 28 स्टील पुल (17 गुजरात में और 11 महाराष्ट्र में)
- 7 पहाड़ी सुरंगें
- ठाणे क्रीक पर 7 कि.मी. लंबी समुद्र के नीचे सुरंग सहित एक भूमिगत सुरंग

NAVBHARAT TIMES, Delhi, 28.12.2023
Page No. 14, Size:(6.95)cms X (0.98)cms.

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में आएगी तेज़ी

मुंबई-अहमदबाद के बीच पहले बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट मे नए साल मे और तेजी आएगी। सूरत से बिलिमोरा के बीच ट्रायल रन 2026 मे शुरू होगा। समुद्र के नीचे टनल बनाने और बुलेट ट्रेन स्टेशन बनाने के काम के लिहाज से नया साल बेहद अहम होगा। नई अमृत भारत ट्रेनें आने का भी सिलसिला शुरू हो जाएगा। इसी साल 30 दिसंबर को PM मोदी अयोध्या से इसे लॉन्च करेंगे।

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

FREE PRESS JOURNAL, Mumbai, 28.12.2023
Page No. 6, Size:(17.42)cms X (3.25)cms.

Bullet train project gears up with civil contracts and station devpt

KAMAL MISHRA/ MUMBAI

National High-Speed Rail Corporation (NSHRC) has awarded of all civil contracts for Gujarat and Maharashtra of the Mumbai-Ahmedabad High-Speed Rail (MAHSR) corridor this year. The corridor boasts an impressive 508 km alignment, with 352 km traversing through Gujarat and Dadra and Nagar Haveli (DNH) and an additional 156km in Maharashtra.

Land acquisition, a critical aspect of any major infrastructure project, has been completed, with an overall rate of 99.95%. Gujarat and DNH achieved 100%, while Maharashtra stands at 99.83%.

The construction of eight HSR stations – Vapi, Bilimora, Surat, Bharuch, Anand, Vadodara, Ahmedabad, and Sabarmati – is progressing at various stages.

In just 10 months, the NSHRC completed its first mountain tunnel, a 350-meter marvel near Zaroli Village in Valsad, Gujarat.

Six river bridges have been completed, with work on others such as Narmada, Tapti, Mahi, and Sabarmati in progress.

"To address the potential noise generated during operations, noise barriers are being erected along the viaduct," said an official.

According to a senior official, civil works for the Mumbai HSR station have commenced, marking a crucial step toward creating a modern transportation hub.

"Two slab track manufacturing factories were established in Surat and Anand and the geotech work for the remaining alignment in stations at Boisar, Virar, and Thane, is progressing steadily," said an official. The Sabarmati Multimodal Transit Hub is also nearing completion.

DAINIK BHASKAR, Surat, 28.12.2023
Page No. 2, Size:(11.26)cms X (8.90)cms.

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट • सभी 8 एचएसआर स्टेशनों के काम चल रहे

इस साल 115 किमी लंबा वायडक्ट तैयार, 267 किमी रूट के पिलर भी बनाए गए

ट्रांसपोर्ट रिपोर्टर | सूरत

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन ने इस साल बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का काम तेज गति से आगे बढ़ाया। इस साल के अंत तक काम के कई माइलस्टोन हासिल किए गए। इसे लेकर नेशनल हाई स्पीड रेल ने इस साल हुए परियोजना के कार्यों का लेखा-जोखा पेश किया है। गुजरात और महाराष्ट्र के लिए सभी सिविल अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं। 115.8 किमी वायडक्ट और 267 किमी पिलर कास्टिंग का काम पूरा हो चुका है। गुजरात और डीएनएच में 100% भूमि अधिग्रहण पूरा हो चुका है।

कहां कितना काम हुआ

- गुजरात में 100 फीसदी और महाराष्ट्र में 99.83 फीसदी
- **सभी 8 एचएसआर स्टेशनों (वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, आणंद, वडोदरा, अहमदाबाद और साबरमती) के काम चल रहे हैं**
- वलसाड के जारोली गांव के पास स्थित 350 मीटर लंबी और 12.6 मीटर व्यास की पहली पहाड़ी सुरंग 10 माह में पूरी
- **पहला स्टील पुल- 70 मीटर लंबा और 673 मीट्रिक टन वजन, सूरत में एनएच 53 पर बनाया गया**
- 28 में से 16 पुल के निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं।
- **24 नदी पुलों में से छह का काम पूरा हो गया है**
- वायडक्ट के दोनों ओर नॉइज़ बैरियर्स लगाए जा रहे हैं
- **पहले रीइन्फोर्स्ड कंक्रीट (आरसी) ट्रैक बेड बिछाने का काम सूरत और आणंद में शुरू हो गया है**
- महाराष्ट्र में बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स और शिलफाटा के बीच 21 किमी लंबी सुरंग का काम भी शुरू किया जा चुका है।

RAJASTHAN PATRIKA, Ahmedabad, 28.12.2023
Page No. 4, Size:(17.44)cms X (18.53)cms.

रेल का सुहाना सफर : पहला स्टील ब्रिज, पहली माउंटेन टनल और छह नदी पुलों का कार्य पूरा

देश की पहली बुलेट ट्रेन का सपना हो रहा साकार

सूरत एचएसआर स्टेशन

ट्रैक बिछाने का काम शुरू

नवसारी पुर्णा नदी पर पुल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सूरत. देश की पहली मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना (एमएएचएसआर) या बुलेट ट्रेन का सपना साकार होता दिखने लगा है। हाई स्पीड ट्रेन दौड़ाने के लिए 100 किलोमीटर तक ब्रिज का निर्माण हो चुका है। इसके अलावा करीब 250 किमी तक ब्रिज बनाने के लिए पियर का काम भी पूरा हो चुका है, जो हाई स्पीड रेल प्रोजेक्ट के लिए बड़ी उपलब्धि है। मुंबई से अहमदाबाद तक देश की पहली हाई स्पीड (बुलेट ट्रेन) चलाई जानी है। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने पहले एक किमी वायाडक्ट का काम 6 महीने में पूरा किया था।

इसके बाद अगले 50 किमी का काम पूरा करने में 10 महीने और इससे अगले 50 किमी यानी पूरे 100 किमी वायाडक्ट के कार्य में 6 महीने लगे। इस प्रोजेक्ट का काम करने के लिए कई ऐसी नई तकनीक का इस्तेमाल किया है, जिनका भारत में पहली बार प्रयोग हो रहा है। देश में पहली बार 40 मीटर लंबे फुल स्पैन (ब्रिज का सबसे छोटा हिस्सा) के बॉक्स बनाए जा रहे हैं। इन स्पैन को लॉन्च करने के लिए फुल स्पैन लॉन्चिंग तकनीक (एफएसएलएम) और स्पैन बाय स्पैन लॉन्चिंग सेगमेंट का उपयोग साथ-साथ किया जा रहा है।

मेट्रो के लिए जो ब्रिज बनते हैं, उसमें जिस तकनीक से स्पैन लॉन्च होते हैं उससे 10 गुना तेजी से हाई स्पीड रेल के स्पैन लॉन्च होते हैं। सूरत एचएसआर स्टेशन पर भी कॉनकोर्स और रेल लेवल स्लैब पूरा कर लिया गया है। स्टेशन पर पहला स्लैब 22 अगस्त 2022 और आखिरी स्लैब 21 अगस्त 2023 को ढाला गया। सूरत बुलेट ट्रेन स्टेशन का कॉनकोर्स एरिया 450 मीटर लंबा है। स्टेशन का एरियल व्यू हीरे जैसा दिखेगा। स्टेशन स्ट्रक्चर तीन लेयर्स में होगा। यहां यात्रियों को सेंट्रल एयर कंडीशनिंग, बिजनेस क्लास लाउंज, नर्सरी, लिफ्ट, एस्केलेटर आदि सुविधाएं मिलेंगी।

नॉइज बैरियर्स लगाए

एमएएचएसआर कॉरिडोर के वायडक्ट पर ट्रेन की आवाज को रोकने के लिए नॉइज बैरियर्स लगाए जा रहे हैं। जापान की शिंकानसेन प्रौद्योगिकी के आधार पर शोर अवरोधक रेल स्तर से 2 मीटर की ऊंचाई तथा एक मीटर चौड़े कंक्रीट पैनल है। ये पैनल वायडक्ट के दोनों ओर लगाए जा रहे है। यह शोर अवरोधक ट्रेन और ट्रेन के निचले हिस्से से उत्पन्न होने वाली वायुगतिकीय ध्वनि को प्रतिबिंबित एवं विभाजित करेंगे, जो मुख्यत: पटरियों पर पहियों से उत्पन्न होती है।

शुरू हुआ ट्रैक बिछाने का काम

जापानी शिंकानसेन में उपयोग किए जाने वाले री-इन्फोर्स्ड कंक्रीट (आरसी) ट्रैक सिस्टम के ट्रैक बेड बिछाने का काम भी सूरत में शुरू हो गया है। यह पहली बार है कि जब भारत में जे-स्लैब गिट्टी रहित ट्रैक प्रणाली का उपयोग किया जा रहा है। 100 किमी वायाडक्ट के दौरान नदियों पर 6 पुलों को भी बनाया गया है।

बुलेट ट्रेन का रूट

बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स से शुरू होकर, बुलेट ट्रेन अंतिम गंतव्य, अहमदाबाद के साबरमती स्टेशन तक जाएगी। यह गुजरात के आठ जिलों, महाराष्ट्र के तीन जिलों और केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव से होकर गुजरेगी। बुलेट ट्रेन एक दर्जन स्टेशनों मुंबई-बीकेसी, ठाणे, विरार, बोइसर, वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आनंद, अहमदाबाद और साबरमती स्टेशनों पर रुकेगी।

पहले माउंटेन टनल का निर्माण

वलसाड जिले की उमरगाम तहसील के जारोली गांव से लगभग एक किलोमीटर दूर पहले माउंटेन टनल का निर्माण शुरू हो चुका है। टनल की लंबाई 350 मीटर, व्यास 12.6 मीटर और ऊंचाई 10.25 मीटर हैं। पूरे कॉरिडोर में सात पर्वतीय सुरंगे होंगी। टनल संरचना में टनल, पोर्टल और टनल एंट्रेंस हुड जैसी अन्य कनेक्टिंग संरचनाएं शामिल हैं। टनल का निर्माण न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड (एनएटीएम) द्वारा किया जा रहा है। इसमें सुरंग की ड्रिलिंग, विस्फोटकों को चार्ज करना, नियंत्रित ब्लास्टिंग आदि शामिल है।

एक्सपर्ट व्यू...

115 किमी से अधिक वायडक्ट का कार्य पूरा

मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल परियोजना का कार्य तेजी से प्रगति पर हैं। अभी तक 508 किलोमीटर के लिए सभी सिविल कॉन्ट्रैक्ट्स दे दिए हैं। 115 किलोमीटर से अधिक वायाडक्ट का कार्य पूरा कर लिया गया है। साथ ही नॉइज बैरियर्स व ट्रैक बिछाने का कार्य भी चल रहा है। गुजरात में, एचएसआर स्टेशन आकार ले रहे हैं, और सूरत और साबरमती रोलिंग स्टॉक डिपो पर भी काम शुरू हो गया है। साबरमती मल्टी मॉडल ट्रांजिट हब लगभग पूरा हो चुका है। महाराष्ट्र में, मुंबई एचएसआर स्टेशन और 21 किलोमीटर लंबी भूमिगत सुरंग के लिए सिविल कार्य शुरू हो गया है। इस वर्ष, हमने पहला स्टील ब्रिज, पहली माउंटेन टनल और छह नदी पुलों का कार्य पूरा करके महत्वपूर्ण मील के पत्थर हासिल किए हैं। हमारी संचालन टीम प्रशिक्षण के लिए जापान भेजी गई है और एचएसआर पायलटों की भर्ती का कार्य भी प्रगति पर हैं।

सुषमा गौड, प्रवक्ता, एनएचएसआरसीएल।

परियोजना की मुख्य विशेषताएं-

- कुल संरेखण- 508 कि.मी. (गुजरात और डीएनएच में 352), महाराष्ट्र में 156 कि.मी.
- 12 एचएसआर स्टेशन (गुजरात में 8 और महाराष्ट्र में 4)
- 3 रोलिंग स्टॉक डिपो (2 गुजरात में और 1 महाराष्ट्र में)
- 24 नदी पुल (20 गुजरात में और 4 महाराष्ट्र में)
- 28 स्टील पुल (17 गुजरात में और 11 महाराष्ट्र में)
- 7 पहाड़ी सुरंगें
- ठाणे क्रीक पर 7 कि.मी. लंबी समुद्र के नीचे सुरंग सहित एक भूमिगत सुरंग

Bullet train. 267 km pillar work complete with 6 bridges

અમદાવાદ-મુંબઈ હાઈસ્પીડ ટ્રેનનું કામ પૂરજોશમાં, રાજ્યમાં 100% જમીન સંપાદન

બુલેટ ટ્રેન | 6 બ્રિજ સાથે 267 કિમી પિલરનું કામ પૂર્ણ

ભાસ્કર ન્યૂઝ | સુરત

અમદાવાદ મુંબઇ વચ્ચે બુલેટ ટ્રેનનું કામ પૂરજોશમાં ચાલી રહ્યું છે. 116 કિલોમીટરના બ્રિજ સાથે સાથે 267 કિલોમીટરના પિલરનું કામ પૂર્ણ થઈ ગયું છે. છેલ્લા એક વર્ષમાં જમીન સંપાદનથી લઈને અનેક કાર્યો પૂર્ણ કરવામાં આવ્યા છે. જેમાં સુરમાં પહેલો સ્ટીલ બ્રિજ અને વલસાડ પાસે પહેલી માઉન્ટેન ટર્નલ તેમજ 6 નદીઓ પર બ્રિજની કામગીરી પૂર્ણ કરવામાં આવી છે. આ ઉપરાંત વિવિધ સ્ટેશન બનાવવાની કામગીરી પણ ચાલી રહી છે. ગુજરાતની સાથે સાથે દાદરા નગર હવેલીમાં 100% જમીન સંપાદન કરવામાં આવ્યું છે, જ્યારે મહારાષ્ટ્રમાં 99.83% જમીન સંપાદનની કામગીરી પૂર્ણ થઇ છે. આમ, 2023ના અંત સુધીમાં 99.95% જમીન સંપાદન થયું છે.

ટ્રેનના અવાજને ઓછો કરવા માટે વાયડક્ટની બન્ને બાજુ નોઈઝ બેરિયર્સ લગાવાયા છે. હાઈ સ્પીડ રેક રોકિડોર ટ્રેક સિસ્ટમ માટે પ્રથમ રિઈનફોર્સ્ડ કોંક્રિટ (આરસી) ટ્રેક બેડ લગાવવાનું કામ સુરત અને આણંદમાં શરૂ કરાયું છે. જે ટ્રેક સિસ્ટમનો ઉપયોગ જાપાનીઝ શિંકાનસેનમાં કરાય છે.

ટ્રેનના અવાજને ઓછો કરવા નોઇઝ બેરિયર્સ લગાવાયાં

24માંથી 6 બ્રિજ તૈયાર થઈ ગયા

24 નદીઓમાં બ્રિજ બનાવાશે. જેમાંથી 6 નદીઓ પરની બ્રિજની કામગીરી પૂર્ણ થઈ છે. જેમાં વલસાડમાં પાર નદી, નવસારીમાં પૂર્ણા, મિંઘોલા અને અંબિકા નદી તેમજ વલસાડમાં ઓરંગા અને નવસારીમાં વેંગનિયા નદી પર બ્રિજ બનાવાયો છે. ઉપરાંત તાપી, નર્મદા, માહી અને સાબરમતી નદી પર બ્રિજ બનાવવાની કામગીરી ચાલી રહી છે.

સુરત સહિત આઠ રેલવે સ્ટેશનનું કામ પણ પૂરજોશમાં

સુરત, વાપી, બીલીમોરા સહિતના આઠ હાઈસ્પીડ રેલવે સ્ટેશનનું કામ પણ પૂર જોશમાં છે. વલસાડમાં જારોલી ગામ પાસે 350 મીટર લાંબી અને 12.6 મીટર વ્યાસની પહેલી માઉન્ટેન ટર્નલ બનાવી છે. જે કામ માત્ર 10 મહિનામાં પૂર્ણ થયું છે. ઉપરાંત એનએચ 53 પર 70 મીટર લાંબો અને 673 મેટ્રિક ટન વજનનો પહેલો સ્ટીલનો બ્રિજ બનાવાયો છે.

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

DIVYA BHASKAR, Vadodara, 28.12.2023

Page No. 6, Size:(18.56)cms X (9.51)cms.

Bullet train. 267 km pillar work complete with 6 bridges

અમદાવાદ-મુંબઈ હાઈસ્પીડ ટ્રેનનું કામ પૂરજોશમાં, રાજ્યમાં 100% જમીન સંપાદન

બુલેટ ટ્રેન | 6 બ્રિજ સાથે 267 કિમી પિલરનું કામ પૂર્ણ

ભાસ્કર ન્યૂઝ | સુરત

અમદાવાદ મુંબઇ વચ્ચે બુલેટ ટ્રેનનું કામ પૂરજોશમાં ચાલી રહ્યું છે. 116 કિલોમીટરના બ્રિજ સાથે સાથે 267 કિલોમીટરના પિલરનું કામ પૂર્ણ થઈ ગયું છે. છેલ્લા એક વર્ષમાં જમીન સંપાદનથી લઈને અનેક કાર્યો પૂર્ણ કરવામાં આવ્યા છે. જેમાં સુરમાં પહેલો સ્ટીલ બ્રિજ અને વલસાડ પાસે પહેલી માઉન્ટેન ટર્નલ તેમજ 6 નદીઓ પર બ્રિજની કામગીરી પૂર્ણ કરવામાં આવી છે. આ ઉપરાંત વિવિધ સ્ટેશન બનાવવાની કામગીરી પણ ચાલી રહી છે. ગુજરાતની સાથે સાથે દાદરા નગર હવેલીમાં 100% જમીન સંપાદન કરવામાં આવ્યું છે, જ્યારે મહારાષ્ટ્રમાં 99.83% જમીન સંપાદનની કામગીરી પૂર્ણ થઇ છે. આમ, 2023ના અંત સુધીમાં 99.95% જમીન સંપાદન થયું છે.

ટ્રેનના અવાજને ઓછો કરવા માટે વાયડક્ટની બન્ને બાજુ નોઈઝ બેરિયર્સ લગાવાયા છે. હાઈ સ્પીડ રેક રોકિડોર ટ્રેક સિસ્ટમ માટે પ્રથમ રિઈનફોર્સ્ડ કોંક્રિટ (આરસી) ટ્રેક બેડ લગાવવાનું કામ સુરત અને આણંદમાં શરૂ કરાયું છે. જે ટ્રેક સિસ્ટમનો ઉપયોગ જાપાનીઝ શિંકાનસેનમાં કરાય છે.

ટ્રેનના અવાજને ઓછો કરવા નોઇઝ બેરિયર્સ લગાવાયાં

24માંથી 6 બ્રિજ તૈયાર થઇ ગયા

24 નદીઓમાં બ્રિજ બનાવાશે. જેમાંથી 6 નદીઓ પરની બ્રિજની કામગીરી પૂર્ણ થઈ છે. જેમાં વલસાડમાં પાર નદી, નવસારીમાં પૂર્ણા, મિંધોલા અને અંબિકા નદી તેમજ વલસાડમાં ઓરંગા અને નવસારીમાં વેંગનિયા નદી પર બ્રિજ બનાવાયો છે. ઉપરાંત તાપી, નર્મદા, માહી અને સાબરમતી નદી પર બ્રિજ બનાવવાની કામગીરી ચાલી રહી છે.

સુરત સહિત આઠ રેલવે સ્ટેશનનું કામ પણ પૂરજોશમાં

સુરત, વાપી, બીલીમોરા સહિતના આઠ હાઈસ્પીડ રેલવે સ્ટેશનનું કામ પણ પૂર જોશમાં છે. વલસાડમાં જારોલી ગામ પાસે 350 મીટર લાંબી અને 12.6 મીટર વ્યાસની પહેલી માઉન્ટેન ટર્નલ બનાવી છે. જે કામ માત્ર 10 મહિનામાં પૂર્ણ થયું છે. ઉપરાંત એનએચ 53 પર 70 મીટર લાંબો અને 673 મેટ્રિક ટન વજનનો પહેલો સ્ટીલનો બ્રિજ બનાવાયો છે.

DIVYA BHASKAR, Surat, 28.12.2023
Page No. 2, Size:(14.78)cms X (10.46)cms.

116 km of bridges and 267 km of pillars completed over bullet train route

દાદરા નગર હવેલીમાં 100 ટકા અને મહારાષ્ટ્રમાં 99.83 ટકા જમીન સંપાદન થઈ ગયું

બુલેટ ટ્રેનના રૂટ ઉપર 116 કિમી બ્રિજ અને 267 કિમી સુધીમાં પિલરોની કામગીરી પૂર્ણ

સુરતમાં પહેલો સ્ટીલ બ્રિજ, વલસાડમાં પહેલી માઉન્ટેન ટનલ, 6 નદી પર બ્રિજ બનાવી દેવાયા

સિટી રિપોર્ટર | સુરત

અમદાવાદ-મુંબઈ બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટમાં 116 કિમીના બ્રિજ, 267 કિમીના પિલરોનું કામ પૂર્ણ થઈ ગયું છે. હાલમાં સુરત સહિતના સ્ટેશનનો બનાવવાની કામગીરી ચાલી રહી છે. સુરતમાં પહેલો સ્ટીલ બ્રિજ, વલસાડ પાસે પહેલી માઉન્ટેન ટનલ તેમજ 6 નદી પર બ્રિજની કામગીરી થઈ ગઈ છે. દાદરા નગર હવેલીમાં 100% અને મહારાષ્ટ્રમાં 99.83% જમીન સંપાદન થયું છે, ટ્રેનનો અવાજ ઓછો કરવા વાયડક્ટની બંને બાજુ નોઈઝ બેરિયર્સ લગાવાયા છે.

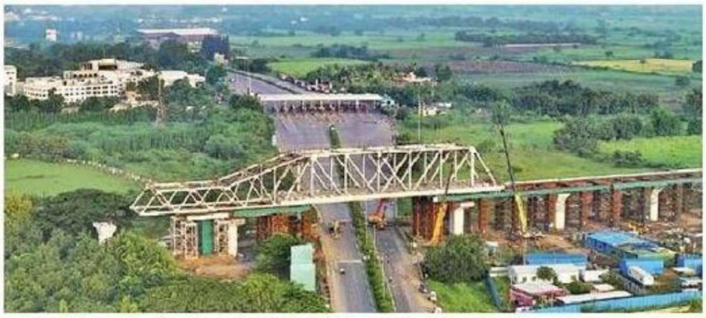

સુરતમાં બની રહેલો બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટનો પહેલો સ્ટીલ બ્રિજ.

સુરત સહિત 8 હાઇસ્પીડ રેલવે સ્ટેશનના કામનો ધમધમાટ

સુરત, વાપી, બીલીમોરા સહિત 8 હાઈસ્પીડ સ્ટેશનનું કામ પૂરજોશમાં છે. વલસાડમાં જારોલી પાસે 350 મીટર લાંબી અને 12.6 મીટર વ્યાસની પહેલી માઉન્ટેન ટનલ બની છે. ઉપરાંત NH-53 પર 70 મીટર લાંબો અને 673 ટન વજનનો પહેલો સ્ટીલનો બ્રિજ બનાવાયો છે. ઉપરાંત સુરત અને આણંદમાં સ્લેબ ટ્રેક નિર્માણની ફેક્ટરી સ્થાપિત કરાઈ છે.

સુરત-આણંદમાં સ્લેબ ટ્રેક બનાવતી ફેક્ટરી શરૂ કરાઈ

સુરત-સાબરમતી HSR ડેપોનું કામ શરૂ થયું છે. ઉપરાંત સુરત-આણંદમાં સ્લેબ ટ્રેક બનાવતી ફેક્ટરી શરૂ થઈ છે. સાબરમતી મલ્ટિ મોડલ ટ્રાન્ઝિટ હબનું મોટાભાગનું કામ પૂર્ણ થઈ ચૂક્યું છે.

24માંથી 6 રિવર બ્રિજ તૈયાર તાપી સહિત 3 પ્રગતિ હેઠળ

24 રિવર બ્રિજમાંથી 6 તૈયાર છે, જેમાં વલસાડમાં પાર, નવસારીમાં પૂર્ણા, મિંઢોળા, અંબિકા, વેંગણિયા તેમજ વલસાડમાં ઔરંગા બ્રિજ બન્યા છે. તાપી, નર્મદા, માહી અને સાબરમતી બ્રિજ બની રહ્યા છે.

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

SANDESH, Ahmedabad, 28.12.2023
Page No. 7, Size:(17.37)cms X (7.71)cms.

Gujarat-Maharashtra 115.8 km viaduct, 267 km pier casting work completed

બુલેટ ગતિએ ચાલી રહેલો અમદાવાદ-મુંબઈ હાઇસ્પીડ રેલ પ્રોજેક્ટ

ગુજરાત-મહારાષ્ટ્રના ૧૧૫.૮ કિમી વાયડક્ટ, ૨૬૭ કિમી પિયર કાસ્ટિંગનું કામ પૂર્ણ થયું

દાદરા નગર હવેલીમાં ૧૦૦ ટકા અને મહારાષ્ટ્રમાં ૯૯.૮૩ ટકા જમીન સંપાદન કાર્ય પૂર્ણ કરાયું

। અમદાવાદ ।

ગુજરાત અને મહારાષ્ટ્ર માટે તમામ સિવિલ કોન્ટ્રાક્ટર પર સાઈન થઈ ચૂકી છે, જેમાં ૧૧૫.૮ કિમી વાયડક્ટ અને ૨૬૭ કિમી પિયર કાસ્ટિંગનું કામ પૂર્ણ થઈ ચુક્યું છે. ગુજરાત અને ડીએનએચમાં ૧૦૦ ટકા ભૂમિ અધિગ્રહણ પણ થઈ ચુક્યું છે. જેમાં ગુજરાતમાં, દાદરા નગર હવેલી (૧૦૦ ટકા)અને મહારાષ્ટ્રમાં ૯૯.૮૩ ટકા કામ થઈ ચુક્યું છે. તમામ ૮ એચએસઆર સ્ટેશનો (વાપી, બિલિમોરા, સુરત, ભરૂચ, આણંદ, વડોદરા, અમદાવાદ અને સાબરમતી) પર કામ વિવિધ તબક્કામાં ચાલી રહ્યું છે. ગુજરાતના વલસાડમાં જારોલી ગામ નજીક ૩૫૦ મીટર લાંબો અને ૧૨.૬ મીટર વ્યાસવાળી પહાડી સુરંગને ફક્ત ૧૦ મહિનામાં પુરી કરીને અનોખી સિદ્ધિ પ્રાપ્ત કરી છે.

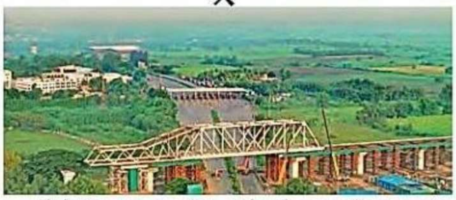

પહેલો સ્ટિલ પુલ ૭૦ મીટર લાંબો અને ૬૭૩ મીટર ટન વજન, સુરત, ગુજરાતમાં એનએલ ૫૩ પર બનાવ્યો છે. ૨૮માંથી ૧૬ એવા પુલ (ગુજરાતમાં ૧૭ અને મહારાષ્ટ્રમાં ૧૧) પુલ વિવિધ તબક્કામાં કામ ચાલી રહ્યું છે. એમએએચએસઆર કોરિડોર પર કુલ ૨૪ નદી પુલમાંથી ૭ નદી પુલ પર કામ પૂર્ણ થઈ ગયું છે. જેમાં વલસાડનો પાર અને ઔરંગા, નવસારીનો પૂર્ણા, મિંઢોળા, અંબિકા અને વેંગનિયાનો સમાવેશ થાય છે.

પ્રોજેક્ટની મુખ્ય વિશેષતાઓ

■ કુલ અંતર- ૫૦૮ કિમી : ગુજરાતમાં ૩૫૨, મહારાષ્ટ્રમાં ૧૫૬ કિમી ■ ૧૨ એચએસઆર સ્ટેશન (ગુજરાતમાં ૮ અને મહારાષ્ટ્રમાં ૪) ■ ૩ રોલિંગ સ્ટોક ડેપો (૨ ગુજરાતમાં અને ૧ મહારાષ્ટ્રમાં) ■ ૨૪ નદી પુલ (૨૦ ગુજરાત અને ૪ મહારાષ્ટ્રમાં) ■ ૨૮ સ્ટીલ પુલ (૧૭ ગુજરાતમાં અને ૧૧ મહારાષ્ટ્રમાં) ■ ૭ પહાડી સુરંગ

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

RAJASTHAN PATRIKA, Surat, 28.12.2023
Page No. 2, Size:(8.76)cms X (29.86)cms.

RAIL JOURNEY

सुहाना सफर

पहला स्टील ब्रिज, पहली माउंटेन टनल और छह नदी पुलों का कार्य पूरा

देश की पहली बुलेट ट्रेन का सपना हो रहा साकार

सूरत. देश की पहली मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना (एमएएचएसआर) या बुलेट ट्रेन का सपना साकार होता दिखने लगा है। हाई स्पीड ट्रेन दौड़ाने के लिए 100 किलोमीटर तक ब्रिज का निर्माण हो चुका है। इसके अलावा करीब 250 किमी तक ब्रिज बनाने के लिए पियर का काम भी पूरा हो चुका है, जो हाई स्पीड रेल प्रोजेक्ट के लिए बड़ी उपलब्धि है।

मुंबई से अहमदाबाद तक देश की पहली हाई स्पीड (बुलेट ट्रेन) चलाई जानी है। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने पहले एक किमी वायाडक्ट का काम 6 महीने में पूरा किया था। इसके बाद अगले 50 किमी का काम पूरा करने में 10 महीने और इससे अगले 50 किमी यानी पूरे 100 किमी वायाडक्ट के कार्य में 6 महीने लगे। इस प्रोजेक्ट का काम करने के लिए कई ऐसी नई तकनीक का इस्तेमाल किया है, जिनका भारत में पहली बार प्रयोग हो रहा है। देश में पहली बार 40 मीटर लंबे फुल स्पैन (ब्रिज का सबसे छोटा हिस्सा) के बॉक्स बनाए जा रहे हैं। इन स्पैन को लॉन्च करने के लिए फुल स्पैन लॉन्चिंग तकनीक (एफएसएलएम) और स्पैन बाय स्पैन लॉन्चिंग सेगमेंट का उपयोग साथ-साथ किया जा रहा है। मेट्रो के लिए जो ब्रिज बनते हैं, उसमें जिस तकनीक से स्पैन लॉन्च होते हैं उससे 10 गुना तेजी से हाई स्पीड रेल के स्पैन लॉन्च होते हैं। सूरत एचएसआर स्टेशन पर भी कॉनकोर्स और रेल लेवल स्लैब पूरा कर लिया गया है। स्टेशन पर पहला स्लैब 22 अगस्त 2022 और आखिरी स्लैब 21 अगस्त 2023 को ढाला गया। सूरत बुलेट ट्रेन स्टेशन का कॉनकोर्स एरिया 450 मीटर लंबा है। स्टेशन का एरियल व्यू हीरे जैसा दिखेगा। स्टेशन स्ट्रक्चर तीन लेयर्स में होगा। यहां यात्रियों को सेंट्रल एयर कंडीशनिंग, बिजनेस क्लास लाउंज, नर्सरी, लिफ्ट, एस्केलेटर आदि सुविधाएं मिलेंगी।

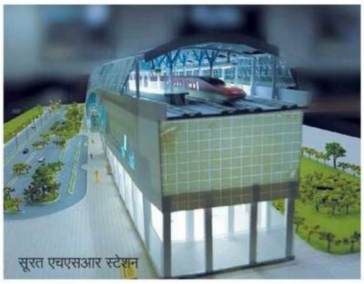
सूरत एचएसआर स्टेशन

1 पहले माउंटेन टनल का निर्माण

वलसाड जिले की उमरगाम तहसील के जारोली गांव से लगभग एक किलोमीटर दूर पहले माउंटेन टनल का निर्माण शुरू हो चुका है। टनल की लंबाई 350 मीटर, व्यास 12.6 मीटर और ऊंचाई 10.25 मीटर हैं। पूरे कॉरिडोर में सात पर्वतीय सुरंगे होंगी। टनल संरचना में टनल, पोर्टल और टनल एंट्रेंस हुड जैसी अन्य कनेक्टिंग संरचनाएं शामिल है। टनल का निर्माण न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड (एनएटीएम) द्वारा किया जा रहा है। इसमें सुरंग की ड्रिलिंग, विस्फोटकों को चार्ज करना, नियंत्रित ब्लास्टिंग शामिल है।

2 नॉइज बैरियर्स लगाए जा रहे

एमएएचएसआर कॉरिडोर के वायडक्ट पर ट्रेन की आवाज को रोकने के लिए नॉइज बैरियर्स लगाए जा रहे हैं। जापान की शिंकानसेन प्रौद्योगिकी के आधार पर शोर अवरोधक रेल स्तर से 2 मीटर की ऊंचाई तथा एक मीटर चौड़े कंक्रीट पैनल है। ये पैनल वायडक्ट के दोनों ओर लगाए जा रहे है। यह शोर अवरोधक ट्रेन और ट्रेन के निचले हिस्से से उत्पन्न होने वाली वायुगतिकीय ध्वनि को प्रतिबिंबित एवं विभाजित करेंगे, जो मुख्यत: पटरियों पर पहियों से उत्पन्न होती है।

3 ट्रैक बिछाने का काम शुरू

जापानी शिंकानसेन में उपयोग किए जाने वाले री-इन्फोर्स्ड कंक्रीट (आरसी) ट्रैक सिस्टम के ट्रैक बेड बिछाने का काम भी सूरत में शुरू हो गया है। यह पहली बार है कि जब भारत में जे-स्लैब गिट्टी रहित ट्रैक प्रणाली का उपयोग किया जा रहा है। 100 किमी वायाडक्ट के दौरान नदियों पर 6 पुलों को भी बनाया गया है।

परियोजना की मुख्य विशेषताएं

- कुल संरेखण- 508 कि.मी. (गुजरात और डीएनएच में 352), महाराष्ट्र में 156 कि.मी.
- 12 एचएसआर स्टेशन (गुजरात में 8 और महाराष्ट्र में 4)
- 3 रोलिंग स्टॉक डिपो (2 गुजरात में और 1 महाराष्ट्र में)
- 24 नदी पुल (20 गुजरात में और 4 महाराष्ट्र में)
- 28 स्टील पुल (17 गुजरात में और 11 महाराष्ट्र में)
- 7 पहाड़ी सुरंगें
- ठाणे क्रीक पर 7 कि.मी. लंबी समुद्र के नीचे सुरंग सहित एक भूमिगत सुरंग

115 किमी से अधिक वायडक्ट का कार्य पूरा

एक्सपर्ट व्यू

सुषमा गौड,
प्रवक्ता, एनएचएसआरसीएल

मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल परियोजना का कार्य तेजी से प्रगति पर हैं। अभी तक 508 किलोमीटर के लिए सभी सिविल कॉन्ट्रैक्ट्स दे दिए हैं। 115 किलोमीटर से अधिक वायाडक्ट का कार्य पूरा कर लिया गया है। साथ ही नॉइज बैरियर्स व ट्रैक बिछाने का कार्य भी चल रहा है। गुजरात में, एचएसआर स्टेशन आकार ले रहे हैं, और सूरत और साबरमती रोलिंग स्टॉक डिपो पर भी काम शुरू हो गया है। साबरमती मल्टी मॉडल ट्रांजिट हब लगभग पूरा हो चुका है। महाराष्ट्र में, मुंबई एचएसआर स्टेशन और 21 किलोमीटर लंबी भूमिगत सुरंग के लिए सिविल कार्य शुरू हो गया है। इस वर्ष, हमने पहला स्टील ब्रिज, पहली माउंटेन टनल और छह नदी पुलों का कार्य पूरा करके महत्वपूर्ण मील के पत्थर हासिल किए हैं। हमारी संचालन टीम प्रशिक्षण के लिए जापान भेजी गई है और एचएसआर पायलटों की भर्ती का कार्य भी प्रगति पर हैं।

बुलेट ट्रेन का रूट : बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स से शुरू होकर अहमदाबाद के साबरमती स्टेशन तक...

बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स से शुरू होकर, बुलेट ट्रेन अंतिम गंतव्य, अहमदाबाद के साबरमती स्टेशन तक जाएगी। यह गुजरात के आठ जिलों, महाराष्ट्र के तीन जिलों और केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव से होकर गुजरेगी। बुलेट ट्रेन एक दर्जन स्टेशनों मुंबई-बीकेसी, ठाणे, विरार, बोइसर, वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आनंद, अहमदाबाद और साबरमती स्टेशनों पर रुकेगी।

GUJARAT GUARDIAN, Surat, 28.12.2023
Page No. 4, Size:(20.78)cms X (10.44)cms.

AHMEDABAD - Bullet train, bridge work over rivers completed

અમદાવાદ-બુલેટ ટ્રેન, છ નદીઓ ઉપર બ્રિજનું કામ પૂર્ણ

અમદાવાદ, તા.૨૭

અમદાવાદ અને મુબંઇ વચ્ચે બુલેટ ટ્રેનનું કામ પૂરજોશમાં ચાલી રહ્યું છે. છેલ્લા એક વર્ષમાં જમીન સંપાદનથી લઇને અનેક વિધ કાર્યો પૂર્ણ કરવામાં આવ્યા છે. જેમાં સુરતમાં પહેલો સ્ટીલ બ્રિજ, વલસાડ પાસે પહેલી માઉન્ટેન ટનલ તેમજ 6 નદીઓ પર બ્રિજની કામગીરી પૂર્ણ કરવામાં આવી છે. આ ઉપરાંત વિવિધ સ્ટેશન બનાવવાની કામગીરી પણ ચાલી રહી છે.

વર્ષ 2023માં મુંબઇ-અમદાવાદ હાઈસ્પીડ રેલ પરિયોજના અંતર્ગત ગુજરાત અને મહારાષ્ટ્રમાં તમામ સિવિલ કોન્ટ્રાક્ટ સાઈન કરવામાં આવ્યા છે. 115.8 કિ.મી. વાયડક્ટ અને 267 કિ.મી. પિયર કાસ્ટિંગનું કામ પૂર્ણ કરવામાં આવ્યું છે. ગુજરાત તથા દાદરાનાગર હવેલીમાં 100 ટકા જમીન સંપાદન કરવામાં આવી છે. ગુજરાતમાં 100 ટકા, દાદરાનાગર હવેલીમાં 100 ટકા અને મહારાષ્ટ્રમાં 99.83 ટકા જમીન સંપાદનની કામગીરી પૂર્ણ થઇ છે. આમ આ પ્રોજેક્ટ માટે 2023ના અંત સુધીમાં કુલ 99.95 ટકા જમીન સંપાદન કરવામાં આવ્યું છે.

તમામ 8 હાઈસ્પીડ રેલ સ્ટેશન જેવાકે, વાપી, બીલીમોરા, સુરત, ભરુચ, આણંદ, વડોદરા, અમદાવાદ અને સાબરમતીમાં સ્ટેશન નિર્માણનું કાર્ય પ્રગતિ પર છે. ગુજરાતમાં વલસાડમાં જારોલી ગામ પાસે 350 મીટર લાંબી અને12.6 મીટર વ્યાસની પહેલી માઉન્ટેન ટનલ બનાવવામાં આવી છે. આ ટનલ નિર્માણનું કાર્ય માત્ર 10 મહિનામાં પૂર્ણ કરીને એક અનોખી સિદ્ધિ હાસલ કરાઈ છે. આ ઉપરાંત સુરતમાં નેશનલ હાઈવે 53 પર 70 મીટર લાંબો અને 673 મેટ્રિક ટન વજનનો પહેલો સ્ટીલનો બ્રિજ બનાવવામાં આવ્યો છે.

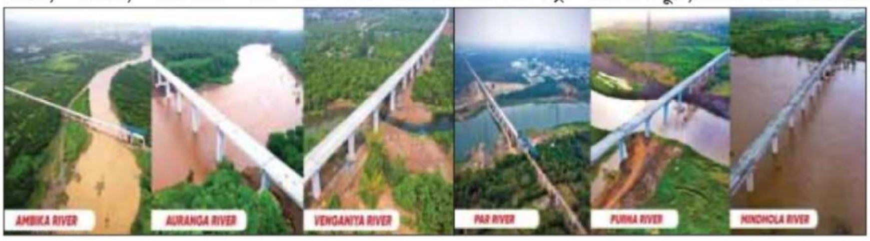

સુરતમાં પહેલો સ્ટીલ બ્રિજ અને વલસાડમાં માઉન્ટેન ટનલનું કામ પણ પૂર્ણ કરી દેવાયું: મહારાષ્ટ્રમાં જમીન સંપાદનનું કામ ૯૯ ટકા પુરૂ કરાયું

મુંબઈ-અમદાવાદ હાઈ સ્પીર રેલ કોરિડોર(MAHSR)માં કુલ 24 નદીઓમાં બ્રિજ બનાવવામાં આવનારા છે. જેમાંથી 6 નદીઓ પર બ્રિજની કામગીરી પૂર્ણ કરી દેવામાં આવી છે. જેમાં વલસાડ જિલ્લામાં પાર નદી, નવસારી જિલ્લામાં પૂર્ણા, મિંઘોલા અને અંબિકા નદી તથા વલસાડમાં ઓરંગા અને નવસારીમાં વેંગનિયા નદી પર બ્રિજ બનાવવામાં આવ્યા છે. અન્ય નદીઓ નર્મદા, તાપી, માહી અને સાબરમતી નદી પર બ્રિજ બનાવવાની કામગીરી ચાલી રહી છે.

ટ્રેન સંચાલન દરમિયાન થનારા અવાજને ઓછો કરવા માટે વાયડક્ટની બન્ને બાજુ નોઈઝ બેરિયર્સ લગાવવામાં આવી રહ્યાં છે. મુંબઈ-અમદાવાદ હાઈ સ્પીડ રેક રોકિડોર ટ્રેક સિસ્ટમ માટે પ્રથમ રિઈનફોર્સ્ડ કોંક્રિટ (આરસી) ટ્રેક બેડ લગાવવાનું કામ સુરત અને આણંદમાં શરૂ કરી દેવામાં આવ્યું છે. આ ટ્રેક સિસ્ટમનો ઉપયોગ જાપાનીઝ શિંકાનસેનમાં કરવામાં આવે છે.

નોંધનીય છેકે, જે-સ્લેબ બેલાસ્ટલેસ ટ્રેક સિસ્ટમનો ઉપયોગ ભારતમાં પહેલીવાર કરવામાં આવી રહ્યો છે. મહારાષ્ટ્રમાં બાંદ્રા કુર્લા કોમ્પલેક્સ અને શિલફાટા વચ્ચે 21 કિ.મી. લાંબી ટનલનું નિર્માણ કરવામાં આવનારું છે. જેમાં ભારતની પ્રથમ 7 કિ.મી. લાંબી સમુદ્રી ટનલ પણ છે. જેનું કામ શરૂ કરી દેવામાં આવ્યું છે. સુરત અને સાબરમતી એચએસઆર ડેપોનું કામ શરૂ થઇ ગયું છે. બે સ્લેબ ટ્રેક નિર્માણની ફેક્ટરી સુરત અને આણંદમાં સ્થાપિત કરવામાં આવી છે.

GUJARAT MITRA, Surat, 28.12.2023

Page No. 5, Size:(6.79)cms X (10.41)cms.

Bullet train work At bullet speed, bridges over six rivers in South Gujarat have been completed

બુલેટ ટ્રેનનું કામ બુલેટ ગતિએ, દક્ષિણ ગુજરાતની છ નદી પર પુલ તૈયાર થઈ ગયા

ગુજરાતમાં જમીન સંપાદનની કામગીરી પૂરી, મહારાષ્ટ્રમાં પૂર્ણ થવાના આરે

એક જ વર્ષમાં બુલેટ ટ્રેન માટે 115.8 કિલોમીટરનો વાયડક્ટ તૈયાર થઈ ગયો

સુરત: અમદાવાદથી શરૂ કરીને મુંબઈ સુધી દોડનારી બુલેટ ટ્રેનનું કામ હાલમાં બુલેટની ગતિએ ચાલી રહ્યું છે. બુલેટ ટ્રેનના રૂટમાં 24 નદીઓ પર પુલ બનાવવામાં આવનાર છે. જેમાં દક્ષિણ ગુજરાતમાં છ નદીઓ પર બુલેટ ટ્રેનના પુલ તૈયાર થઈ ગયા છે. જે છ નદીઓ પર પુલ બની ગયા તેમાં પાર (વલસાડ જિલ્લો), પૂર્ણા (નવસારી જિલ્લો), મિંઢોળા (નવસારી જિલ્લો), અંબિકા

પ્રથમ માઉન્ટેન ટનલ માત્ર 10 જ મહિનામાં તૈયાર, પ્રથમ સ્ટીલ બ્રિજ સુરત-ધુલિયા હાઈવે પર તૈયાર કરાયો

ગુજરાતના વલસાડના જરોલી ગામ નજીક આવેલી 350 મીટર લંબાઈ અને 12.6 મીટર વ્યાસની પ્રથમ માઉન્ટેન ટનલ માત્ર 10 મહિનામાં પૂર્ણ કરીને એક નોંધપાત્ર સિદ્ધિ હાંસલ કરી હતી. પ્રથમ સ્ટીલ બ્રિજ, જે 70 મીટરમાં ફેલાયેલો છે અને તેનું વજન 673 મેટ્રિક ટન છે, તે ગુજરાતના સુરતમાં એનએચ 53 પર બાંધવામાં આવ્યો હતો. આવા કુલ 28 માંથી 16 પુલો (ગુજરાતમાં 17 પુલ અને મહારાષ્ટ્રમાં 11 પુલ) ફેબ્રિકેશનના વિવિધ તબક્કાઓ હેઠળ છે.

કામગીરી દરમિયાનના ઘોંઘાટને અટકાવવા માટે વાયડક્ટની બંને બાજુ અવરોધો ઊભા કરાયા

કામગીરી દરમિયાન ટ્રેન અને સિવિલ સ્ટ્રક્ચર્સ દ્વારા પેદા થનારા ઘોંઘાટને ઘટાડવા માટે, વાયડક્ટની બંને બાજુ અવાજના અવરોધો ઊભા કરવામાં આવી રહ્યા છે. જાપાનીઝ શિંકનસેનમાં ઉપયોગમાં લેવાતી રિઇન્ફોર્સ્ડ

સમગ્ર રૂટમાં બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટની કામગીરી ક્યાં પહોંચી

- ગુજરાતના તમામ 8 સ્ટેશન વાપી, બીલીમોરા, સુરત, ભરૂચ, આણંદ, વડોદરા, અમદાવાદ અને સાબરમતી પર કામગીરી છેલ્લા તબક્કામાં
- ભારતમાં પહેલીવાર જે-સ્લેબ બેલાસ્ટલેસ ટ્રેક સિસ્ટમનો ઉપયોગ થઇ રહ્યો છે
- મહારાષ્ટ્રમાં બીકેસી અને શિલફાટા વચ્ચે ભારતની પ્રથમ 7 કિલોમીટરની દરિયાની નીચે રેલ ટનલ કે જે 21 કિલોમીટર લાંબી ટનલનો એક ભાગ છે તેના માટે કામની શરૂઆત થઈ ગઈ છે.
- સુરત અને સાબરમતી એચએસઆર ડેપોમાં કામ શરૂ થઈ ગયું છે. ગુજરાતના સુરત અને આણંદમાં બે સ્લેબ ટ્રેક ઉત્પાદન ફેક્ટરીઓ સ્થાપવામાં આવી છે.
- મહારાષ્ટ્રમાં 3 સ્ટેશનો (બોઇસર, વિરાર અને થાણે) સહિત બાકીના એલાઇનમેન્ટ માટે જીયોટેકનું કામ પ્રગતિ હેઠળ છે
- સાબરમતી મલ્ટિમોડલ ટ્રાન્ઝિટ હબની કામગીરી લગભગ પૂર્ણ થઈ ગઈ છે.

NAVBHARAT TIMES, Mumbai, 28.12.2023
Page No. 10, Size:(6.95)cms X (0.98)cms.

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में आएगी तेज़ी

मुंबई-अहमदबाद के बीच पहले बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट मे नए साल मे और तेजी आएगी। सूरत से बिलिमोरा के बीच ट्रायल रन 2026 मे शुरू होगा। समुद्र के नीचे टनल बनाने और बुलेट ट्रेन स्टेशन बनाने के काम के लिहाज से नया साल बेहद अहम होगा। नई अमृत भारत ट्रेने आने का भी सिलसिला शुरू हो जाएगा। इसी साल 30 दिसंबर को PM मोदी अयोध्या से इसे लॉन्च करेंगे।